हिंदी शब्द संसाधन/टंकण परीक्षा – जनवरी, 2019

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध

प्रश्न पत्र – द्वितीय

बैच - ।

3

समय : 10 मिनट पूर्णांक : 50

आज के युग में नारी कितनी सुशील और शिष्ट क्यों न हो, अगर वह 64
शिक्षित नहीं है, तो उसका व्यक्तित्व बड़ा नहीं हो सकता है, क्योंकि आज का 137
युग प्राचीन काल को बहुत पीछे छोड़ चुका है। आज नारी पर्दा और लज्जा की 210
दीवारों से बाहर आ चुकी है, वह पर्दा प्रथा से बहुत दूर निकल चुकी है। इसलिए 288
आज इस शिक्षा युग में अगर नारी शिक्षित नहीं है, तो उसका इस युग से कोई 362
तालमेल नहीं हो सकता है। ऐसा न होने से वह महत्वहीन समझी जाएँगी और 433
इस तरह समाज से उपेक्षा का पात्र बन जाएगी। इसलिए आज नारी को शिक्षित 504
करने की तीव्र आश्वयकता को समझकर इस पर ध्यान दिया जा रहा है। 566

नारी शिक्षा का महत्व निर्विवाद रूप से मान्य है। यह बिना किसी तर्क या 636
विचार विमर्श के ही स्वीकार करने योग्य है, क्योंकि नारी शिक्षा के परिणाम 709
स्वरूप ही पुरुष के समान आदर और सम्मान का पात्र समझी जाती है। यह तर्क 782
किया जा सकता है कि प्राचीन काल में नारी शिक्षित नहीं होती थी। वह गृहस्थी 857
के कार्यों में दक्ष होती हुई पति-परायण और महान पतिव्रता होती थी। इसी 930
योग्यता के फलस्वरूप वह समाज से प्रतिष्ठित होती हुई देवी के समान श्रद्धा 1006
और विश्वास के रूप में देखी जाती थी, लेकिन हमें यह सोचना-विचारना चाहिए 1082
कि तब के समय में नारी शिक्षा की कोई आश्वयकता न थी। तब नारी नर की 1153
अनुगामिनी होती थी। यही उसकी योग्यता थी, जबकि आज की नारी की योग्यता 1226
शिक्षित होना है। आज का युग शिक्षा के प्रचार प्रसार से पूर्ण विज्ञान का युग है। 1308
आज अशिक्षित होना एक महान अपराध है। शिक्षा के द्वारा ही पुरुष किसी भी 1385
क्षेत्र में जैसे प्रवेश करते हैं, वैसे नारी भी शिक्षा से संपन्न होकर जीवन के किसी 1469
भी क्षेत्र में प्रवेश करके अपनी योग्यता और प्रतिभा का परिचय दे रही है। शिक्षित 1549
नारी में आज पुरुष की शक्ति और पुरुष का वही अद्भुत तेज दिखाई पड़ता है। 1629
आज शिक्षित नारियाँ घर की चारदीवारी से निकलकर समाज में समानाधिकार को 1701
प्राप्त कर रही हैं और अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवा रही हैं। 1766